

# डॉ. जॉर्ज पेटन, बाइबल अनुवाद, सत्र 25, घटनाओं का क्रम

© 2025 जॉर्ज पेटन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जॉर्ज पेटन और बाइबल अनुवाद पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र संख्या 25 है, घटनाओं का क्रम।

इस चर्चा में, हम इस बारे में बात करने जा रहे हैं कि बाइबल में घटनाओं को कैसे प्रस्तुत किया जाता है और इन घटनाओं को किस क्रम में प्रस्तुत किया जाता है।

अंग्रेजी में, हमें हमेशा चीजों को कालानुक्रमिक क्रम में बताने की ज़रूरत नहीं होती। कभी-कभी, हम सामान्य परंपराओं से काल बदलकर उन चीजों को बताते हैं जो घटित हुई थीं। उदाहरण के लिए, आप कह सकते हैं, यह आदमी मेरे पास आया और मदद माँगी, इसलिए मैं जाता हूँ, मैं अभी आपकी मदद नहीं कर सकता। मुझे काम के लिए देर हो रही है।

फिर वह कहता है, लेकिन मुझे वाकई मदद की ज़रूरत है। मैं पूरे हफ़्ते देर से आया, इसलिए मैं फिर से देर से नहीं आ सकता। मैंने यहाँ क्या किया? मैंने जो एक काम किया, वह यह कि मैंने इसे वर्तमान काल में बताया।

यह आदमी मेरे पास आता है, और मैं चला जाता हूँ। ध्यान दें कि हम जाने का इस्तेमाल यह कहने के लिए करते हैं कि मैंने कुछ कहा है। इसलिए मैं चला जाता हूँ, मैं अभी आपकी मदद नहीं कर सकता।

और फिर वह कहता है, तो सब कुछ वर्तमान काल में है, भले ही यह एक भूतकाल की घटना हो। फिर, मैं भूतकाल में पृष्ठभूमि की जानकारी डालता हूँ। दिलचस्प है, है न? हम इसे अंग्रेजी में कर सकते हैं।

हम हमेशा अन्य भाषाओं में ऐसा नहीं कर सकते। और जैसा कि हमने कहा, पिछले वाक्य में दी गई जानकारी, मैं उस पूरे सप्ताह देर से आया था, मेरे लिए कालक्रम से बाहर है, मैं आपको बता रहा हूँ कि इस आदमी ने क्या किया, और वह मेरे पास आया। लेकिन दुनिया भर में बहुत सी भाषाओं में, वे जानकारी को कालानुक्रमिक रूप से प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं देते हैं।

घटनाओं को उनके सही क्रम में बताना ज़्यादा स्पष्ट है। नए नियम और पुराने नियम में, कई बार, घटनाओं को कालानुक्रमिक क्रम से अलग बताया गया है। और इन अंशों का अनुवाद किया गया है।

यदि वे यूनानी रूप का उपयोग करते हैं, तो यह श्रोताओं के लिए वास्तव में भ्रमित करने वाला हो सकता है। उदाहरण के लिए, प्रेरितों के काम 12:23 में, प्रभु के एक स्वर्गदूत ने उसे मारा, और उसे कीड़े खा गए और वह मर गया। हमने पिछली चर्चा में इसके बारे में बात की थी।

कीड़े उसे कब खाने लगे? शायद उसके मरने के बाद। शायद कीड़ों ने उसे नहीं मारा। एक और दृष्टांत है अच्छे सामरी का, उसने अपने घावों पर तेल और शराब डालकर पट्टी बाँधी।

शायद। उसने घावों पर तेल और शराब डाली, शराब वहाँ सफाई के लिए थी। उनके पास एंटीसेप्टिक्स नहीं थे।

तेल का इस्तेमाल आराम पहुंचाने वाले एजेंट के तौर पर किया जाता था। उनके पास बाम और मलहम नहीं थे। और फिर आप उसके बाद घावों पर पट्टी बांधते थे।

प्रकाशितवाक्य 5:2 से एक और उदाहरण में, स्वर्गदूत कहता है, " पुस्तकों को खोलने और उनकी मुहरें तोड़ने के योग्य कौन है? आप इसकी मुहरें तोड़ने से पहले इसे कैसे खोल सकते हैं? आप नहीं खोल सकते। आपको क्या करना है? पहले मुहरें तोड़ें। योना की किताब से एक और उदाहरण यहाँ दिया गया है।

योना का सामना उन लोगों से होता है जब उन्हें एहसास होता है कि समस्या का कारण योना ही है। और 1:9 और 10 में, उसने उनसे कहा, मैं एक इब्रानी हूँ और मैं स्वर्ग के परमेश्वर यहोवा का भय मानता हूँ। समुद्र और सूखी भूमि किसने बनाई? वे लोग बहुत डर गए।

और उन्होंने कहा, तुमने ऐसा क्यों किया? क्योंकि वे लोग जानते थे कि वह प्रभु की उपस्थिति से भाग रहा था क्योंकि उसने उन्हें बताया था। और वह जानकारी क्रम से बाहर है। और इसलिए, हम जो करने की कोशिश करते हैं, और हम कैसे जानते हैं कि यह क्रम से बाहर है? क्योंकि हमारे पास पद 10 के अंत में जो उसने उन्हें बताया और फिर पद 10 की शुरुआत में डरने वाला हिस्सा है।

और यह तथ्य कि उसने उन्हें बताया था, वह बात थी जिसने उन्हें भयभीत कर दिया। और इसलिए यह सामान्य अनुक्रम का पालन नहीं करता है। और अगर हम इसका शाब्दिक अनुवाद करते हैं या इस विशेष रूप का उपयोग करके ऐसी भाषा में अनुवाद करते हैं जो असामयिक घटनाओं की अनुमति नहीं देती है, तो वे भ्रमित हो जाते हैं।

और हम इसे समझ सकते हैं क्योंकि हम पढ़ने के आदी हैं। हम एक लंबी साहित्यिक परंपरा के आदी हैं। हम उन चीजों के आदी हैं जो बिल्कुल कालानुक्रमिक नहीं हैं।

लेकिन उन लोगों के समूह के बारे में क्या जिनके पास अलिखित भाषा है, और आप पहली बार शुरू कर रहे हैं जैसे हमने ओरमा में किया था? उनके पास कोई साहित्यिक शैली नहीं है। लेकिन साहित्यिक शैली वाले लोगों के लिए भी, आप इसे पढ़ते हैं, और आप जाते हैं, और यह अजीब तरह का है।

तो, क्या यह स्पष्ट रूप से संवाद करता है? हाँ, शायद। क्या यह अंग्रेजी में स्वाभाविक है? नहीं, यह नहीं है। एक देशी अंग्रेजी वक्ता के रूप में यह मुझे स्वाभाविक नहीं लगता।

ठीक है, तो सबसे पहले हम यह बताने जा रहे हैं कि क्या हुआ और किस क्रम में। तो, सबसे पहले, हम जानते हैं कि श्लोक 9 पहले आता है। वे उससे भिड़ते हैं, और वह कहता है, मैं एक हिब्रू हूँ, और मैं ईश्वर की पूजा करता हूँ।

अगली बात यह है कि उसने उनसे कहा कि वह प्रभु की उपस्थिति से भाग रहा है। तब वे भयभीत हो जाते हैं। फिर वे कहते हैं, तुमने क्या किया है? अगला कदम श्लोक को फिर से लिखना है, ताकि इसे कालानुक्रमिक क्रम के अनुसार अधिक सुचारू रूप से प्रवाहित किया जा सके।

फिर, उसने उनसे कहा कि वह प्रभु की उपस्थिति से भाग रहा था। वे लोग बहुत डर गए, और उन्होंने उससे पूछा, तुमने क्या किया है? तो, अगर तुम इसकी तुलना ऊपर वाले से करो, तो क्या यह बेहतर है? क्या यह अधिक आसानी से या अधिक सुचारू रूप से बहता है? और यही हमें तय करने की ज़रूरत है। फिर से, जब भी मैं इस तरह का सुझाव देता हूँ, तो यह एक सुझाव है, न कि; तुम इस तरह से नहीं करोगे।

तो यह एक संभावना है, लेकिन बात यह है कि हम पाठ में चुनौतीपूर्ण चीजों के बारे में जागरूकता बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि हम उनके बारे में जागरूक हो सकें और फिर संभवतः उनसे निपट सकें। यह पता लगाने का एक तरीका है कि यह अच्छी तरह से संचार करता है या नहीं, समुदाय से ऐसे लोगों को लाने की कोशिश करना है जो संक्रमण प्रक्रिया का हिस्सा नहीं रहे हैं, और फिर हम उन्हें बैठाते हैं। वे आस्तिक हो सकते हैं; उन्हें आस्तिक होने की ज़रूरत नहीं है; वे समुदाय में कोई भी हो सकते हैं।

और फिर कहें, क्या आप मुझे अपने शब्दों में बता सकते हैं कि क्या हुआ? और फिर आप सुनें। क्या उन्होंने कुछ छोड़ दिया? क्या उन्होंने जानकारी बदल दी? क्या वे भ्रमित थे? शायद वे कहें, मुझे वास्तव में यकीन नहीं है क्योंकि यह अजीब तरह का है। यह अजीब क्यों है? खैर, तो वे आपको बता सकते हैं कि यह क्रम से बाहर है।

या मुझे यकीन नहीं है कि चीजें कैसे होती हैं क्योंकि यह अजीब शब्द है। हो सकता है कि वे आपको यह भी न बता सकें कि वे क्या कहते हैं, यह सही नहीं लगता। लेकिन इस तरह की प्रतिक्रिया प्राप्त करना सत्यापन का एक तरीका है। हाँ, एक समस्या है; हमें पाठ में कुछ समायोजन करने की आवश्यकता है।

इसलिए, कभी-कभी, यह गैर-कालानुक्रमिक बात सिर्फ एक आयत से बढ़कर एक से ज़्यादा आयतों तक पहुँच जाती है। उदाहरण के लिए, मरकुस 1:43 और 44 में, यीशु कोढ़ी को ठीक करता है, आयत 43, और उन्होंने उसे सख्त चेतावनी दी और तुरंत उसे भेज दिया। और उसने उससे कहा, जाकर अपने आप को याजक को दिखाओ।

एक सेकंड रुको, और उसने उसे दूर भेज दिया। क्या वह उस आदमी पर चिल्लाया जब वह आदमी चला गया था? ओह, वैसे, आपको यह करने की ज़रूरत है। ल्यूक यही कहता है।

लूका 5:12, वही घटना, और वह उसे आदेश देता है कि वह किसी को न बताए। लेकिन जाकर अपने आप को याजक को दिखा। तो, हमारे पास एक ही घटना के दो गवाह हैं, मार्क और लूका, मानो।

और वे इसे अलग-अलग तरीकों से कहते हैं। लेकिन हम यह नहीं कह सकते कि चलो मार्क को ल्यूक की तरह बना दें और सामंजस्य बिठा दें। हम सामंजस्य बिठाते नहीं हैं क्योंकि हम चाहते हैं कि प्रत्येक लेखक अपने ज्ञान, भाषा पर अपनी पकड़ और लेखन के लिए अपने विकल्पों का उपयोग करके कहानी को अपने तरीके से बता सके।

और हम सभी जानते हैं कि आप एक घटना को एक से अधिक लोगों द्वारा बता सकते हैं, और वे सभी इसे थोड़े अलग तरीके से बताएंगे, क्योंकि यह सिर्फ उनकी अपनी शर्त है, यह उनकी अपनी पसंद है कि इसे कैसे कहा जाए। इसलिए, हम सामंजस्य स्थापित करने के लिए नहीं कह रहे हैं। लेकिन एक चीज जो हम कर सकते हैं वह है क्रम को पुनर्गठित करना ताकि श्लोक 43 और 44 को बदला जा सके।

क्या यह एक अच्छा विचार है? चलिए, इस पर एक नज़र डालते हैं। यह ठीक हो सकता है, लेकिन यह पाठ में जानकारी के प्रवाह को भी बाधित कर सकता है। तो, अब यह यही है।

और उसने उसे कड़ी चेतावनी देकर तुरन्त विदा किया। और उससे कहा, देख, किसी से कुछ न कहना; परन्तु जाकर अपने आप को याजक को दिखा, और अपने शुद्ध होने के विषय में जो कुछ मूसा ने आज्ञा दी है, उसे उन पर गवाही के लिये चढ़ा। परन्तु वह बाहर जाकर खुलकर प्रचार करने लगा।

तो, अगर हम आयत 44 को आयत 43 से पहले रख दें तो यह इस तरह दिखेगा। और उसने उससे कहा, देखो, तुम किसी से कुछ मत कहना, बल्कि जाकर अपने आप को याजक को दिखाओ और अपने शुद्धिकरण के लिए वही चढ़ावा चढ़ाओ जो मूसा ने उन्हें गवाही के रूप में देने की आज्ञा दी है। और उसने उसे कड़ी चेतावनी दी और तुरन्त उसे भेज दिया।

लेकिन वह बाहर गया और खुलकर घोषणा करने लगा। यह सुनने में ठीक लगता है, लेकिन इसमें कुछ ऐसा है जिससे आप थोड़ा असहज हो सकते हैं। जब यह कहा जाता है कि किसी से कुछ मत कहो, तो यह वाकई प्रभावशाली लगता है, लेकिन वह बाहर गया और लोगों से बातें कीं।

तो, उन दो वाक्यों का एक साथ होना वास्तव में एक संबंध है। और अगर हम उस संबंध को तोड़ते हैं, तो हम अनुवाद में कुछ खो सकते हैं। हम पाठ के साथ कुछ ऐसा कर सकते हैं जो शायद सबसे अच्छी बात नहीं होगी।

तो, अगर हम वाक्यों को पुनर्गठित नहीं करते हैं, तो हम क्या करते हैं? दूसरा विकल्प यह है कि घटनाओं के क्रम और चीजें कैसे हुईं, यह स्पष्ट करने के लिए कुछ स्पष्ट शब्द जोड़े जाएं। और एक तरीका यह है कि श्लोक 43 में कहा जाए, और उसने उसे सख्त चेतावनी दी और उसे विदा किया, और उसने उससे कहा। ठीक है, यह अभिव्यक्ति जहां उसने उसे सख्त चेतावनी दी और

उसे विदा किया, और उसने उससे कहा, यह बहुत हद तक उस तरह लगता है जैसे इब्रानियों ने कहानियां बताई हैं।

वे पहले सामान्य और फिर उसके बाद विशिष्ट कहते हैं। हमने पिछली चर्चाओं में ऐसा ही किया था। क्या यहाँ भी ऐसा हो रहा है? यह ग्रीक पर हिब्रू का ओवरले हो सकता है क्योंकि जिन लोगों ने नया नियम लिखा वे सभी हिब्रू थे, भले ही वे ग्रीक में इतने धाराप्रवाह थे कि इसे लिख सकें।

और फिर आप कहते हैं, ठीक है, यह इतना मज़ेदार क्यों लग रहा है? यह हिब्रूवाद हो सकता है जिसे ग्रीक पाठ में लाया गया है। और वे एक कहानी उसी तरह बता रहे हैं जिस तरह से हिब्रू लोग आम तौर पर कहानियाँ सुनाते हैं। हमें यह फिर से एक और प्रसिद्ध अंश में मिलता है, जब यीशु बारह को भेज रहा होता है।

और यह कहता है, यह मार्क 6 में है, और यह कहता है, और उसने उन्हें बाहर भेजा कि जाकर प्रचार करो। अगला वाक्य कहता है, और उसने उनसे कहा। तो, ऐसा लगता है कि वे पहले ही जा चुके हैं।

यहाँ भी यही बात है। और उन्होंने उनसे कहा कि वे अपने साथ कोई पैसे का थैला न रखें, वगैरह, वगैरह। तो यह एक आम बात है जो हमें बार-बार सुनने को मिलती है, जहाँ पहले सामान्य कथन दिया जाता है, और फिर विशिष्ट विवरण दिए जाते हैं।

तो, यहाँ दूसरा विकल्प एक संभावना है। हम बस कुछ शब्द जोड़ते हैं। फिर से, हम पाठ में जानकारी नहीं जोड़ रहे हैं।

हम बस इसे और अधिक समझने योग्य बनाने और इसे और अधिक आसानी से प्रवाहित करने का प्रयास कर रहे हैं। ठीक है, एक और, मार्क 5। ऐसा लगता है कि मार्क में इनमें से बहुत सारे हैं। मार्क 5, 1-7।

गिरासेनियों के देश में पहुँचे। जब वह नाव से उतरा, तो तुरन्त एक मनुष्य कब्रों में से निकलकर आया, जिस में अशुद्ध आत्मा थी। और वह कब्रों के बीच में रहता था, परन्तु कोई उसे फिर कभी नहीं बाँध सकता था, यहाँ तक कि जंजीरों से भी नहीं, क्योंकि वह बार-बार बेड़ियों और जंजीरों से बाँधा गया था, और उसने जंजीरों को तोड़ डाला था, और बेड़ियों को टुकड़े-टुकड़े कर दिया था, और कोई उसे वश में करने के लिए पर्याप्त न था।

परिणामस्वरूप, वह रात-दिन कब्रों और पहाड़ों में चिल्लाता रहा और खुद को चोट पहुँचाता रहा। यीशु को दूर से देखकर, वह दौड़ा और उसके सामने झुक गया। तो, सवाल यह है कि क्या यह पूरी तरह से कालानुक्रमिक है? हम मार्क 2 में, पद 2 में, यह सामान्य कथन देखते हैं।

और फिर हमें बताया जाता है कि सब कुछ कैसे हुआ, और फिर तुरंत ही हमें पिछली घटनाओं का संदर्भ मिलता है, जो कि घटित हुई घटनाओं की याद दिलाती हैं। दिलचस्प है। हम क्या कर सकते हैं? मैं इन शब्दों को फिर से क्रमित करने का सुझाव नहीं दूंगा।

आप इसे फिर से क्रमित नहीं कर सकते। यह बहुत ज़्यादा है। क्या आप श्लोक 2 में ऐसा कुछ देख सकते हैं? जब वह नाव से बाहर निकला, तो एक आदमी उसकी ओर दौड़ा।

और फिर, श्लोक 6 में, जब उसने यीशु को दूर से देखा, तो वह उसके पास दौड़ा। इससे उसे थोड़ी मदद मिल सकती है। याद रखें, श्लोक 6, यीशु को देखना, और देखना क्या है? कृदंत।

यहाँ कृदंत का क्या कार्य है? समय संदर्भ का कार्य। और इसलिए जब उसने यीशु को देखा, तो इसका अनुवाद करने का एक तरीका होगा। लेकिन यह जोड़ते हुए कि, वह आदमी उसकी ओर दौड़ा, बजाय इसके कि वह आदमी पहले से ही उसके सामने था।

बाद में उस अंश में, जब वह नाव पर चढ़ रहा था, तो वह आदमी जो दुष्टात्मा से ग्रस्त था, उससे विनती कर रहा था कि वह उसके साथ चले और उसके साथ चले। यह ठीक लगता है। यीशु के जाने से पहले, उसने उससे यह कहा।

गिरासेनियों के देश और आस-पास के सभी लोगों ने उससे विनती की कि वह उन्हें छोड़कर चला जाए, क्योंकि वे बहुत डर गए थे। इसलिए वह नाव पर चढ़ गया और वापस लौट आया।”

लेकिन जिस आदमी से दुष्टात्माएँ निकल गई थीं, वह उससे विनती कर रहा था कि वह उसके साथ चले, लेकिन उसने उसे यह कहकर विदा कर दिया, कि पद 37 के अंत में वह उठकर नाव में चला गया। पद 38 में, वह आदमी उसके पास आता है। फिर से, आप देखते हैं कि यह तनाव कैसे है? क्या हम कह सकते हैं कि उसके जाने से पहले, पद 38 में वह आदमी उसके पास दौड़ा? बस कुछ और जोड़ना है।

यह उनके जाने से पहले जो कुछ भी हुआ, उसके प्रति यथार्थवादी है। इसलिए हम वास्तविक घटनाओं का उल्लंघन नहीं कर रहे हैं; हम कुछ ऐसा नहीं दिखा रहे हैं जो गलत या झूठा हो। हम बस इसे ऐसे तरीके से प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं जो लोगों को अधिक समझ में आए।

क्योंकि मैं आपको बता दूँ, लोग उन्हें शाब्दिक रूप से लेंगे, और वे कहेंगे, ऐसा हुआ, और फिर ऐसा, क्योंकि यह इसी तरह लिखा गया है। और हमें बहुत सावधान रहना चाहिए कि हम गलत धारणा न बना लें। तो, संवाद करने के लिए क्या समायोजन आवश्यक हैं ताकि यह लक्षित भाषा में लोगों के लिए तार्किक अर्थपूर्ण हो? मुझे उम्मीद है कि आप तनाव महसूस करना शुरू कर रहे हैं।

वास्तव में पूरे बाइबल में, पुराने नियम और नए नियम दोनों में, इनमें से कई हैं, जिनसे हमें जूझना पड़ता है। और यह कुछ ऐसा है कि, एक पादरी के रूप में बोलते हुए और संदेश देते हुए, वे इसे अपने संदेश में बहुत आसानी से समझा सकते हैं, लेकिन हमारे पास वह सुविधा नहीं है। इसे पढ़ने वाले लोगों को समझाने के लिए कोई नहीं है।

किसी के पास बस एक किताब है, और वे किताब पढ़ रहे हैं, शायद अकेले या शायद अन्य लोगों के साथ। तो, अगर मैं शैतान का वकील बन सकता हूँ, तो कुछ सवाल हैं। क्या पाठ में स्पष्टीकरण शब्द जोड़ना ठीक है? क्या हम पाठ में चीज़ें डाल रहे हैं? क्या छंदों को फिर से क्रमित करना

ठीक है? आप क्या सोचते हैं? समस्या हिब्रू साहित्यिक शैली और जिस तरह से वे पिछली घटनाओं को याद करते हैं, उससे उत्पन्न होती है।

हम पाठ में दी गई किसी भी जानकारी को नहीं बदल रहे हैं। हम पाठ में दी गई जानकारी की प्रस्तुति को बदल रहे हैं। और जब बाइबल के पाठ में, उदाहरण के लिए, हमने अन्य स्थानों पर देखा है कि ग्रीक या हिब्रू की व्याकरणिक शैली लक्ष्य भाषा के व्याकरण के अनुकूल नहीं है, तो हम व्याकरण को समायोजित करते हैं।

यह सूचना का मुद्दा नहीं है। यह व्याकरण का मुद्दा है। इसी तरह, अगर कोई साहित्यिक शैली का मुद्दा है जो लक्ष्य भाषा की साहित्यिक शैली या कथात्मक शैली के अनुकूल नहीं है, तो हमारी जिम्मेदारी है कि हम पाठ को इस तरह से समायोजित करें कि वह लोगों के संवाद करने के सामान्य तरीके से मेल खाए।

कुछ लोग शायद मेरी कही गई बातों से सहमत न हों, लेकिन कम से कम आपको इस बारे में सोचने की ज़रूरत है, और आपको इसका जवाब देना चाहिए। जैसा कि मैंने पहले कहा, अगर हम ग्रीक या हिब्रू रूप का पालन करने की कोशिश करते हैं, तो हम इसे पढ़ने वाले लोगों के साथ अन्याय करेंगे, अगर हम फुटनोट या कहीं और जानकारी नहीं देते हैं। हमारे पास फ़ॉर्म-आधारित अनुवाद और फुटनोट नहीं हो सकते।

अन्यथा, लोग भ्रमित हो जाएंगे। और अगर वे भ्रमित हैं, तो इसका मतलब है कि वे समझ नहीं पा रहे हैं। और अगर वे नहीं समझ पा रहे हैं, तो सवाल यह है कि क्या हमने अनुवाद किया है? क्या हमने अच्छा अनुवाद किया है? मैं आपको बता दूँ, एक बहु-भाषा वक्ता के रूप में, कि अगर मैं किसी से उसकी भाषा में कुछ कहता हूँ और वह उसे समझ नहीं पाता है, तो यह मेरा काम है कि मैं उसे स्पष्ट करूँ ताकि वह उसे समझ सके।

नहीं, मेरा मतलब यह नहीं था। मेरा मतलब यह था। अनुवाद के बारे में क्या? मैं कहूँगा कि यह एक समान बात है क्योंकि यह सब मानवीय संचार है, और हम प्रभावी संचार की तलाश में हैं। हम प्रभावशाली संचार की तलाश में हैं।

इसलिए, हम जितना संभव हो सके बाइबिल के पाठ के समान बनाए रखने की कोशिश करते हैं। और अगर समायोजन आवश्यक है, तो मुझे लगता है कि पहली चीज़ जो मैं करने की कोशिश करता हूँ, वह यह है कि हम पहले उन छोटे समायोजनों को करने की कोशिश करते हैं। क्या छोटे समायोजन पर्याप्त मदद कर सकते हैं? और अगर लोग इसे पढ़ते हैं, और यह 100% राष्ट्रीय नहीं हो सकता है, लेकिन कम से कम यह थोड़ा बेहतर है, तो हम पहले ऐसा करने की कोशिश करते हैं।

छंदों को पुनः क्रमित करने का विकल्प कभी-कभी बेहतर होता है। कभी-कभी, यह लगभग आवश्यक होता है। ऐसे मामलों में, हमें घटनाओं के क्रम को निर्धारित करने और फिर उसी के अनुसार छंदों को पुनः क्रमित करने के लिए वास्तव में सावधान रहने की आवश्यकता होती है।

लेकिन हम आम तौर पर दो से ज्यादा आयतें या शायद अधिकतम तीन आयतें नहीं बनाते। मार्क के बारे में अंश याद करें, जो दुष्टात्मा से ग्रस्त था और यीशु के पास गया था, और वहाँ लगभग सात आयतें थीं। दुनिया में ऐसा कोई तरीका नहीं है कि कोई भी इसे अलग-अलग क्रम में रखने की अनुमति दे।

लेकिन अगर ऐसा करना ज़रूरी हो तो क्या होगा? क्या हम इसे कम से कम एक, दो या तीन आयतों में कर सकते हैं? याद रखें, हमें जानकारी और शैली के समग्र प्रवाह को बरकरार रखना होगा, भले ही हम आयतों को फिर से क्रमित करें। तो, हम किस बारे में बात कर रहे हैं? आइए एक उदाहरण देखें। ठीक है, यह मार्क से है, और मार्क 6 में, लोग कह रहे थे कि यीशु कौन था।

कुछ लोग कह रहे थे कि यह पुराने नियम का भविष्यवक्ता है। लेकिन जब हेरोदेस ने इसके बारे में सुना, तो वह कहने लगा, यूहन्ना जिसका सिर मैंने काटा था, जी उठा है। इसलिए, हेरोदेस ने सोचा कि यीशु ही यूहन्ना है जो फिर से जीवित हो गया है।

हेरोदेस ने आप ही यूहन्ना को पकड़वाकर बन्दीगृह में डलवा दिया था, जैसा कि हेरोदियास ने लिखा है। यह यूहन्ना अपने भाई फिलिप्पुस की पत्नी थी, क्योंकि उसने उससे विवाह किया था। यूहन्ना ने हेरोदेस से कहा था, कि अपने भाई की पत्नी को रखना तुझे उचित नहीं।

पहले क्या हुआ? श्लोक 17 और 18 में जो तनाव है, उसे देखते हुए, यह फिर से क्या है? एक फ्लैशबैक। जब तक हमें फ्लैशबैक नहीं मिलते, तब तक हमें समस्याएँ होंगी, जैसा कि हमने आज इस चर्चा में देखा है। तो आप क्या करते हैं? खैर, पहली समस्या यह है कि जॉन श्लोक 16 से पहले ही मर चुका था।

इसलिए, जब हेरोदेस ने ऐसा कहा, तो यह जॉन के मारे जाने के बाद हुआ था। इससे श्लोक 16 और 17 के बीच कालानुक्रमिक समस्या पैदा होती है। फिर, फ्लैशबैक बताता है कि जॉन की मृत्यु कैसे हुई, और वह जानकारी दी गई है, लेकिन ध्यान दें कि जानकारी का प्रवाह वास्तव में समझना मुश्किल है।

आप वहाँ बैठते हैं, और आप कहते हैं, क्षमा करें। इसलिए, अगर मैं आपको यह पढ़कर सुनाऊँ और आपसे पूछूँ, तो क्या आप मुझे बता सकते हैं कि क्या हुआ? और जब तक यह आपके सामने न हो, अगर आपने इसे अभी सुना है, तो आप भ्रमित हो सकते हैं और मुझे यह बताने में असमर्थ हो सकते हैं कि क्या हुआ। और हम जानते हैं कि जॉन ने हेरोदेस से कहा था कि उसे शादी नहीं करनी चाहिए, उसे शादी नहीं करनी चाहिए, मैं कहूँगा, फिलिप की पत्नी से।

और यह हेरोदेस द्वारा जॉन को गिरफ्तार करने से पहले ही हुआ था। तो हम क्या करें? हम इस पाठ को कैसे संभालें? यह निश्चित रूप से मार्क के लिए अनुवाद करने के लिए सबसे कठिन अंशों में से एक है। जैसा कि हम जानते हैं, कई लोग मार्क की पुस्तक से शुरू करते हैं जब वे इसे किसी अन्य लक्ष्य भाषा में अनुवाद करते हैं।

और कथित तौर पर, ओह, मार्क सबसे छोटा है। और मार्क में ग्रीक भाषा सीधी है। इसलिए, इसका अनुवाद करना सबसे आसान है।

मैंने जो व्याख्यान श्रृंखला दी है, उसमें कितनी समस्याएं मार्क की पुस्तक से आई हैं? ठीक है। ठीक है। तो, हर किसी को इससे निपटना होगा।

ये ऐसी समस्याएँ हैं जिनसे हर अनुवादक को निपटना पड़ता है क्योंकि ये ग्रीक पाठ में स्वाभाविक रूप से मौजूद हैं। तो, हम क्या करते हैं? तो, पहला काम है उस वास्तविक क्रम को तोड़ना जिसमें चीज़ें होती हैं। और पहली चीज़ जो हम सूचीबद्ध करते समय करते हैं, ठीक है, उनका उल्लेख कैसे किया जाता है? तो, उनका उल्लेख इस क्रम में किया जाता है।

सबसे पहले, हेरोदेस ने लोगों को भेजा। श्लोक 17 और 18, यही हम कर रहे हैं। हम बस घटनाओं को लिख रहे हैं। हेरोदेस ने लोगों को भेजा, और लोगों ने यूहन्ना को पकड़ लिया, और लोगों ने यूहन्ना को बाँध दिया, और लोगों ने यूहन्ना को जेल में डाल दिया।

और हेरोदियास भड़क गई, या वह क्रोधित हो गई, और उसने हेरोदेस को जॉन को गिरफ्तार करने के लिए मजबूर किया। हेरोदियास फिलिप की पत्नी थी। फिलिप हेरोदेस का भाई था।

हेरोदेस ने हेरोदियास से विवाह किया। यूहन्ना ने हेरोदेस से कहा, यह उचित नहीं है कि तुमने अपने भाई की पत्नी को ले लिया। घटना में ऐसा ही लिखा है।

ये वे घटनाएँ हैं जो इन दो आयतों में सूचीबद्ध हैं। तो अब जब हमने उन्हें लिख लिया है, तो आइए उन्हें फिर से व्यवस्थित करें और उन्हें कालानुक्रमिक क्रम में रखें। जॉन, जॉन के लेखक, उन्हें इस तरह सूचीबद्ध कर सकते थे।

और हम जानते हैं कि फिलिप राजा हेरोदेस का भाई था, और हम जानते हैं कि हेरोदियास फिलिप की पत्नी थी। हम जानते हैं कि हेरोदेस ने उसे फिलिप से लिया और उससे शादी कर ली। और यूहन्ना, एक भविष्यवक्ता के रूप में, लोगों के झूठ में सच बोल सकता था।

यूहन्ना ने हेरोदेस से कहा, "यह उचित नहीं है कि तूने अपने भाई की पत्नी को ले लिया। और तब हेरोदियास नाराज़ हो गई और उसने हेरोदेस को यूहन्ना को गिरफ्तार करने के लिए उकसाया। इसलिए हेरोदेस ने लोगों को भेजा, लोगों ने यूहन्ना को पकड़ लिया, लोगों ने यूहन्ना को बाँध दिया और यूहन्ना को जेल में डाल दिया।

जब हम इसे पुनः क्रमित करते हैं तो यह कैसा दिखता है? याद रखें कि हम क्या करते हैं? हम एक समस्या का पता लगाते हैं। हम इसे पहले व्यापक संचार की अपनी भाषा में लिखने का प्रयास करते हैं, चाहे वह अंग्रेजी हो या स्पेनिश या कुछ और। और फिर हम कहते हैं, ठीक है, अब जब हमने इसे कागज पर लिख लिया है और हमने इसे साफ कर लिया है और हमारे पास यह दस्तावेज़ या यह पैराग्राफ है जो स्थानीय भाषा में है, तो अब आइए इसे स्थानीय भाषा में अनुवाद करने का प्रयास करें।

लेकिन हम इसे अंग्रेजी या दूसरी भाषा में करना शुरू करते हैं। इसलिए हम जानकारी को क्रम से फिर से लिखते हैं, और फिर हम श्लोक 16 और 17 से संबंध जोड़ते हैं क्योंकि, याद रखें, यह

एक फ्लैशबैक है। कई बार, भाषाओं में किसी तरह का शब्द या वाक्यांश होता है जो श्रोता या पाठक को संकेत देता है कि यह एक फ्लैशबैक है।

तो यह क्या था, और यहाँ एक सुझाया गया अनुवाद है। और यह था कि फिलिप राजा हेरोदेस का भाई था और हेरोदियास फिलिप की पत्नी थी। हेरोदेस ने हेरोदियास से विवाह किया।

तब यूहन्ना ने हेरोदेस के पास आकर कहा, “यह उचित नहीं है कि तूने अपने भाई की पत्नी को ले लिया।” हेरोदियास ने हेरोदेस को भड़काया कि वह यूहन्ना को पकड़वा दे। इसलिए हेरोदेस ने आदमी भेजे।

उन्होंने यूहन्ना को पकड़ लिया, उसे बाँध दिया और जेल में डाल दिया। पद 19 में, हेरोदियास को यूहन्ना से द्वेष है, और उसने वास्तव में यूहन्ना को और हेरोदेस को यूहन्ना को मारने के लिए प्रोत्साहित किया, लेकिन हेरोदेस ऐसा करने से डरता था। और जैसा कि आप इसे पढ़ते हैं, उम्मीद है, यह थोड़ा और स्पष्ट हो गया होगा।

शायद यह ज़्यादा स्पष्ट है। लेकिन ऊपर दिए गए पैराग्राफ़ की तुलना में इसका अनुवाद करना ज़्यादा आसान है। इसलिए, असमय घटनाएँ संचार में अंतराल नहीं हैं।

हम संचार में अंतराल के बारे में बात कर रहे हैं। यह कोई अंतराल नहीं है। इसमें कुछ भी कमी नहीं है।

सारी जानकारी मौजूद है। कुछ भी छूटा नहीं है। लेकिन जिस तरह से इसे प्रस्तुत किया गया है, वह संचार में बाधा है।

बाइबिल का पाठ स्पष्ट तरीके से या स्वाभाविक तरीके से संप्रेषित नहीं किया जाता है। इसलिए हम याद रखते हैं कि हमारा लक्ष्य प्रभावी संचार, प्रभावशाली संचार है, और हमारा लक्ष्य बाइबिल के पाठ में बाधाओं को यथासंभव दूर करना है क्योंकि यदि पाठ पढ़ने में बहुत कठिन है, तो लोग इसे नहीं पढ़ेंगे। वे हार मान लेंगे।

इसलिए, जानकारी को पुनः व्यवस्थित करना, और शायद आयतों को भी, कठिनाई को दूर करने का एक तरीका है ताकि यह पढ़ने वाले लोगों को प्रभावित कर सके। धन्यवाद।

यह डॉ. जॉर्ज पेटन और बाइबल अनुवाद पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र संख्या 25, घटनाओं का क्रम है।